हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 4 अगस्त, 2025

9 नशे के कारण युवा हो रहे पथभ्रष्टः विधायक

10 अंडर-14 आयु वर्ग की बैडमिंटन में देवांशु प्रथम...

खबर संक्षेप

गांव सिधनवा में वार्षिक मेला सात और आठ को

बहल। सिधनवा गांव में बाबा सिद्धनाथ जी का वार्षिक मेला 7 व 8 अगस्त को आयोजित होगा। इस अवसर पर 7 अगस्त को रात्रि को सत्संग व 8 अगस्त को भंडारे का आयोजन होगा। महंत मटकनाथ ने बताया कि 8 अगस्त को कुश्ती दंगल होगा जिसमें नामी पहलवान भाग लेंगे। दंगल के विजेता पहलवानों को प्रथम पुरस्कार 5100 रुपये, द्वितीय 2100 रुपये व तृतीय 1100 रुपये की इनाम राशि दी जाएगी।

गहने और नकदी चोरी का आरोपी गिरफ्तार

चरखी दादरी। घर में घुसकर अलमारी से गहने और नकदी चोरी के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि रामदास नगर निवासी अर्जुनदास सनेजा ने आभूषण और नकदी चोरी होने की शिकायत दर्ज करवाई थी। इसी मामले में शनिवार को एएसआई अनिल ने आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी की पहचान कबीर नगर निवासी सन्नी के रुप में हुई। पुलिस ने आरोपी को चोरी किए सामान के बारे में पूछताछ के लिए एक दिन के डिमांड पर लिया है।

भिवानी। एमडी एकेडमी परिसर में चिकित्सक स्टाफ व विद्यार्थी।

एमडी एकेडमी में 175 मरीजों की जांच

चरखी दादरी। गांव झोझूखुर्द स्थित एमडी एकेडमी परिसर में निःशुल्क एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। कैंप के दौरान भिवानी के कदम अस्पताल के चिकित्सकों की टीम व सहयोगियों ने अपनी सेवाएं दी। शिविर का मार्गदर्शन डॉ. संजीव घणघस व सुरेश सांगवान ने किया। शिविर का प्रमुख उद्देश्य मानव सेवा व गांवों तक चिकित्सा सेवा को पहुंचाने का रहा। कैंप के दौरान विभिन्न रोगों हड्डी, आंख, नाक, कान, गला, दंत, फिजियो आदि के 175 मरीजों की जांच की। इसके साथ ही निशुल्क दवा वितरण किया गया। शिविर में ब्लड प्रेशर, रक्त जांच व ईसीजी आदि टेस्ट भी किए गए। चिकित्सीय सेवा देने वाली टीम का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट करते हुए किया। शिविर के दौरान हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश, मेडिसन विभाग से डॉ. नरेश, ईएनटी डॉ. संदीप ढाका, डेंटल से डॉ. शशि तथा फीजियों डॉ. संतोष ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

40 लाख से चार पार्कों को मिला नया जीवन, विधायक ने किया लोकार्पण

विकास कार्यों के लिए सरकारी खजाने लबालब, कच्ची गलियां होंगी पक्की : सर्राफ

भिवानी। रिबन काटकर पार्कों का लोकार्पण करते विधायक घनश्याम सर्राफ। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शहर की मंडी टाऊनशिप तथा काठ मंडी इलाके के लोगों के लिए राहत भरी खबर। अब इन इलाकों के लोग सुबह व शाम के वक्त आराम से पार्कों में घुम सकेंगे। चूंकि अब नगरपरिषद ने वार्ड 17 की काठ मंडी तथा मंडी टाऊनशिप के दो-दो पार्कों का करीब 40 लाख रुपये की लागत से जीर्णोद्धार करवाया गया है। चारों पार्कों का जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने पर विधायक घनश्याम सर्राफ व नगरपरिषद की चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह व नगर पार्षद सुभाष तंवर ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर पार्कों का लोकार्पण किया। इसके बाद वहां पर मौजूद लोगों का मुंह मीठा करवाया। इस मौके पर विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि उक्त इलाके में यह समस्या पिछले कई दिनों से बनी हुई थी। अब पार्कों के जीर्णोद्धार से काठ मंडी व मंडी टाऊनशिप के विकास को पंख लग गए है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए सरकारी खजाने लबालब है। बशर्ते वे सार्वजनिक कार्य लेकर आए। प्राथमिकता के आधार पर सार्वजनिक कार्यों को करवाए जाने के लिए प्रस्ताव तैयार करवाकर कार्य शुरू करवाए जा रहे है। सरकार प्रदेश का चहुंमुखी विकास करवा रही है। खासकर भिवानी जिले के विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर करवाए जा रहे है।

ये रहे मौजूद

इस मौक पर रामनिवास सिवानीवाला, बजरंग बहलिया, देबू बापोड़िया, अशोक झोझू, भुरू प्रधान, विष्णु केडिया, गणेश बेरलिया, विजय लालावासिया, हनुमान प्रसाद, राजेश सिंगला, महेंद्र जांगड़ा के अलावा अनेक लोग उपस्थित थे।

कोई भी पार्क नहीं रहेगा जर्जरः भवानी प्रताप

नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने कहा कि शहर के किसी भी इलाके के पार्क को जर्जर नहीं रहने दिया जाएगा। अधिकांश पार्कों का जीर्णोद्धार कराया जा चुका है। बाकी बचे है, उन पार्कों के जीर्णोद्धार की प्रक्रिया जारी है। उसके बाद कोई भी छोटा या बड़ा पार्क जर्जर नहीं बचेगा। पार्कों में सुबह व शाम के वक्त लोग आराम से घुम सके,व्यायाम कर सके। साथ ही उन्होंने कहा कि शहर की किसी भी कॉलोनी की कोई भी गली कच्ची नहीं रहने दी जाएगी। जो व्यक्ति उनको गली कच्ची के बारे में जानकारी देता है। वे खुद मौके पर पहुंचकर उस गली का एस्टीमेट तैयार करवा कर गली को पक्का करवा रहे है। हालही में कुछ कॉलोनियां अप्रुवड हुई है। उनकी कुछ गलियां कच्ची जरूर है। उनको जल्द ही पक्का करवाया जाएगा। साथ ही उनमें अन्य बिजली व पानी की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है। पार्षद सुभाष तंवर ने बताया कि उक्त वार्ड के ये पार्क कई दिनों से जर्जर थे। विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह की बदौलत इन पार्कों को नया जीवन मिला है। पार्कों के जीर्णोद्धार से लोगों में जबरदस्त उत्साह है।

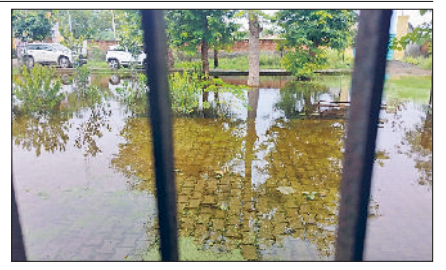

बवानीखेड़ा। गांव लोहारी जाटू के राजकीय विद्यालय में जमा बारिश का पानी। फोटो : हरिभूमि

बारिश के चलते विद्यालयों में जमा हुआ पानी, शिक्षकों और विद्यार्थियों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत अनेक विद्यालय बारिश के पानी से लबालब हो गए हैं, जिससे शिक्षकों व विद्यार्थियों को समसयाओं का सामना करना पड़ रहा है। बवानी खेड़ा के राजकीय मॉडल संस्कृति वमावि, बिजली निगम के पास राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला, लोहारीजाटू के राजकीय कन्या वमावि, राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला सहित खंड के अनेक विद्यालय हैं जिनमें पानी जमा हो गया है जिनकी निकासी के समाधान के लिए विद्यालय प्रशासन आलाधिकारियों को लिखित में भी सूचित कर चुका है और इस पानी की निकासी का इंतजार कर रहा है। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी आनंद कुमार शर्मा द्वारा पूरे खंड के ऐसे विद्यालयों का फोटो सहित पूरा डाटा एकत्रित कर जिला स्तर के अधिकारियों को भेजने का कार्य किया जा रहा है ताकि कोई बड़ा हादसा न हो।

नीट की परीक्षा पास करने वाले साहिल को किया सम्मानित

बाढड़ा। गांव नांधा निवासी साहिल कुमार के नीट परीक्षा में अव्वल परिणाम लाने पर क्षेत्र के सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंच कर अभिनंदन किया। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी केंद्रीय सहकारी बैंक के पूर्व वाइस चेयरमैन संदीप बाढड़ा ने कहा कि प्रतिभा कभी परिचय की मोहताज नहीं होती। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी आज किसी क्षेत्र में पीछे नहीं है और कड़ी मेहनत व उच्च मार्गदर्शन में नीट, यूपीएससी परीक्षाओं में अव्वल आकर अपने क्षेत्र व अभिभावकों का नाम रोशन करते हैं। कार्यक्रम में मंजीत ठेकेदार, रामप्रकाशर नांधा, प्रधान विनोद नांधा, सुभाष नांधा, संदीप लाड, सुनील कुमार, संजय मिट्ठी, विष्णु, राजेराम आदि मौजूद रहे।

सरकार अति शीघ्र ऑनलाइन ट्रांसफार ड्राइव चलाए : आर्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की बैठक स्थानीय विजय नगर स्थित अध्यापक भवन में आयोजित हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव सुमेर आर्य ने किया। बैठक में विशेष रूप से पूर्व राज्य प्रधान वजीर सिंह, राज्य उपप्रधान सुशील देवी, राज्य वरिष्ठ उपप्रधान गुरमीत सिंह, जिला कोषाध्यक्ष अनुप सिवाच, खंड सचिव लोहारू अनिल, भिवानी खंड प्रधान संजय गौरीपुर शामिल रहे।

एसटीएफआई (स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) के इतिहास एवं वर्तमान में इसकी प्रासंगिता को लेकर राज्य वरिष्ठ उपप्रधान गुरमीत सिंह ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि अध्यापक बच्चों के भविष्य को संवारने का कार्य करते है। इसीलिए एसटीएफआई के प्रयासों से छठे वेतन आयोग में अध्यापकों को वन स्टैप अप मिल रहा है।

शिक्षा का बजट बढ़ाया गया, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में आवश्यक सुझाव दिए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रधान ने कहा कि सरकार बढ़ती आबादी को देखते हुए नए स्कूल खोले, हर कक्षा व सैक्शन का अध्यापक उपलब्ध कराने के लिए खाली पदों पर नियमित भर्ती करें। जिला सचिव सुमेर आर्य ने कहा कि सरकार अति शीघ्र ऑनलाइन ट्रांसफार ड्राइव चलाए, उससे पहले तर्क संगत रेशनेलाईजेशन की जाए।

श्री ब्राह्मण महा सभा की नई कार्यकारिणी गठित

सर्व सम्मति से सुरेंद्र शर्मा को प्रधान, राजीव वत्स को सचिव और मनोज जोशी को कोषाध्यक्ष बनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

माइंड रोलर प्ले स्कूल परिसर में श्री ब्राह्मण महासभा की बैठक आयोजित हुई जिसमें सर्व सम्मति से चुनाव करवाए गए। संरक्षक प्रहलाद शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्व सम्मति से सुरेंद्र शर्मा को प्रधान, राजीव वत्स को सचिव, मनोज जोशी को कोषाध्यक्ष, गोबिंद शर्मामुकेश शर्मा और संतलाल को उपप्रधान, अक्षय शास्त्री को सह सचिव, जय प्रकाश सह कोषाध्यक्ष तथा सुनील शर्मा को मीडिया सलाहकार की जिम्मेदारी सौंपी गई।

निवर्तमान प्रधान को किया सम्मानितः इससे पहले निवर्तमान प्रधान रामकिशन टीकेवाला को संरक्षक मंडल द्वारा फूलमाला ओर शाल ओढ़ा कर सम्मानित किया गया |सचिव राजीव वत्स ने निवर्तमान प्रधान रामकिशन टीकेवाला के कार्यों की प्रशंसा करते हुए बताया कि प्रधान पद पर रहते हुए प्रधान रामकिशन टीकेवाला ने ब्राह्मण समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। उनकी समाज की धर्मशाला के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रधान सुरेंद्र शर्मा शर्मा ने निवर्तमान प्रधान के सहयोग की प्रशंसा करते हुए उनके समाज के प्रति कार्यों की प्रशंसा की।

लोहारू। नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

निवर्तमान प्रधान रामकिशन टीके वाला ने सभा का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि जहां भी आवश्यकता होगी वे समाज के लिए तत्पर मिलेंगे। डॉक्टर अनिल जोशी, मास्टर गोबिंद शर्मा ने भी इस अवसर पर अपने सुझाव विचार व्यक्त करते हुए सभा को ओर प्रभावी तरीके से कार्य करने पर बल दिया। उप प्रधान मुकेश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व प्रधान बजरंग लाल शर्मा, पूर्व प्रधान रामकिशन टीकेवाला, पूर्व प्रधान जितेंद्र भारद्वाज, संरक्षक पुरुषोत्तम लाल गौतम, द्वारका प्रसाद, संरक्षक रामोतार शर्मा, डॉक्टर अनिल जोशी, अक्षय शास्त्री राजेंद्र शर्मा, महेंद्र शर्मा, डॉक्टर सुरेश भारद्वाज, प्रवीण जोशी, मोहन लाल, गोविंद शर्मा, सतीश शर्मा, पवन शर्मा, नरेंद्र शर्मा, विपिन शर्मा, सुंदर शर्मा आदि उपस्थित रहे।

संत कंवर साहेब ने प्रवचनों से साध संगत को किया निहाल

परमात्मा सबकी सुनता है उसके दरबार में भेदभाव नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गुरु से प्रीत करने वाले गुरु को ही सब कुछ मानते हैं। जितने संत हुए सबने गुरु की महिमा गाई क्योंकि गुरु की महिमा जिसने जान ली उसके सारे काज सुध हो गए। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने दिनोद गांव में स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाए।

हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि परमात्मा की पवित्रता हासिल करने के लिए आप को पवित्र बनना पड़ेगा। परमात्मा सबकी सुनता है उसके दरबार में भेदभाव नहीं है। उन्होंने फरमाया कि यह सृष्टि सात द्वीप और नौ खंडों में बंटी हुई है जिसके कर्ता त्रिशक्ति हैं परंतु यह भी सत्य है कि ये सृष्टि के जनक पालक और संहारक देव भी किसी और की आराधना करते हैं। ये जिसकी आराधना करते हैं वो शब्द है। शब्द ही कण कण का रचयिता है और शब्द का भेद केवल सतगुरु जानता है यही कारण है कि सभी संतो ने ऊंचे स्वर में यही कहा कि सात द्वीप नौ खंड में गुरु से बड़ा ना कोय। गुरु महाराज ने कहा कि जिस गुरु की आराधना सृष्टि को बनाने और चलाने वाले करते है अगर उनको पाकर भी इंसान में सुधार नहीं होता तो समझो इंसान में ही

खोट है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार खोटे लोहे को पारस नहीं बदल सकता उसी प्रकार विषय विकारों में घिरा इंसान भी स्वयं को नहीं सुधार सकता। हुजूर महाराज ने कहा कि दुनियादारी में रहते हुए हमें इसी में लिपटी बाते अच्छी लगती है। हमने अपना मन भी जगत की रीत के अनुसार ढाल लिया और मनमुखी बन बैठे हैं। मन को दुनियावी बातों से खाली किए बिना हम गुरु के वचनों को उसमें नहीं भर सकते। हुजूर ने कहा कि जिस भाव से हम पहले दिन भक्ति के रास्ते पर आए थे अगर उसी भाव के साथ हम समय बीतने के साथ रहे तो स्वयं का ही नहीं बल्कि लाखों करोड़ों का भी उद्धार कर जायेंगे। उन्होंने फरमाया कि तन मन का नुकसान करने वाली वस्तुओं की और तो हम आकर्षित हो जाते हैं लेकिन तन और मन को साधने वाली भक्ति से हम दूर भागते हैं। उन्होंने कहा कि भक्ति स्वयं की शक्ति से प्रारंभ होती है। पहले अपने आप को सुधारो समाज स्वत सुधर जायेगा। सत्य और निखालिश केवल परमात्मा है और संत परमात्मा के दूत हैं। संत परमात्मा का संदेश लेकर आते हैं और इस संदेश से दूर भागने वालो के लिए संत महात्मा भी रोते हैं। उन्होंने कहा कि शिष्य वो जिसने तन मन धन गुरु को अर्पण कर दिया। अच्छाई घर से शुरू होती है। अपने घरों में प्यार प्रेम सौहार्द बना कर रखो। बड़े बुजुर्गों की सेवा सत्कार करो।

जलभराव को लेकर चेयरमैन ने कसी कमर, कई स्थानों का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा शहर में बरसाती पानी से व्यवस्था बिगड़ गई है। लोगों में त्राहीमाम-त्राहीमाम मचा है। इसी को लेकर नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री द्वारा मनीष शंकर सहित अन्य संग मिलकर हांसी चुंगी, पुर रोड़, खेड़ी रोड़ सहित अनेक स्थानों का जायजा लिया। बारिश के पानी को सड़कों, घरों व खेतों में पहुंचकर नुकसान पहुंचाने को लेकर उनका मन भी पसीज गया और उन्होंने बताया कि प्रकृति के आगे किसी का जोर नहीं है।

उन्होंने उसी समय अधिकारियों को फोन पर आदेश दिए कि पानी की समस्या का समाधान करते हुए पानी की निकासी करवाई जाए। लोगों ने उनको अपना दर्द ब्यां करते हुए बताया कि घरों में पानी घुसने से मकान क्षतिग्रस्त हो गए है तो फसलों में पानी जमा होने से फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई है। लोगों ने उनसे फसलों व मकानों के नष्ट होने पर आर्थिक मुआवजे की भी गुहार लगाई। सुंदर अत्री ने आश्वासन दिया कि पानी की निकासी करवाना उनका पहला दायित्व है।

बवानीखेड़ा। बरसाती पानी को लेकर नपा चेयरमैन सुंदर अत्री मुआयना करते हुए। फोटो : हरिभूमि

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर। शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप-प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे।

कहानी

नवरत्न

आवाज़ें

अब तो शारदा को बिना आवाजों के जीने की आदत हो गई है और साहब को भी अब बिना आवाजों के जीना पड़ेगा.....क्योंकि आवाजें चली गई हैं... सदा सदा के लिए... हालांकि कभी-कभी वह महसूस करता है कि आवाजें जरूरी होती हैं....क्योंकि वह हमारे होने का पता देती हैं.... आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें भी हैं..... आवाजें हमारी श्रवण शक्ति का प्रमाण ही तो हैं... आवाजें न हों तो हमारे न होने का भ्रम पैदा होता है..... लगता है जैसे हम हैं ही नहीं... लेकिन आवाजें चली गई और अपने साथ कानों को भी लेती गई.... शारदा घर में थी तो जैसे उसकी खुसर-पुसर ... दबे पांव चलने की कलाकारी ... जिंदगी का पता देती थी... लेकिन अब तो तमाम फुसफुसाहटें बीते जमाने की बातें हो गई हैं। शारदा को सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती ... जब उसे सिंक में बर्तन साफ करने होते ... हालांकि वह बहुत ध्यान से एक एक बर्तन पर विम लगाती ... फिर पानी की टोंटी का प्रैशर ध्यान से खोलती ... पानी गिरने की आवाज भी कभी-कभी उसे चौंका देती... खासकर तब, जब बर्तन बड़ा होता और साहब घर पर होते... लेकिन वह झट से पानी को और भी कम कर देती क्योंकि साहब को आवाजें पसंद नहीं ...

उसे याद है शादी के बाद एक दो-बार को छोड़कर कभी भी साहब को यह नहीं कहना पड़ा..... शारदा..sss.....अब तो साहब ने कालेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है। ज्यादातर घर ही रहते हैं। लिखते-पढ़ते हैं और पेंशन के अलावा अपने लिखने से ही काफी कमा लेते हैं। वे अखबारों में लिखते हैं ... किताबें लिखते हैं... उनके पास दुनियाभर की बातें होती हैं ... लिखने को अकेले घंटों बैठे रहते हैं और हुक्का गुड़गुड़ाते हैं । हुक्का भी उनका छोटा सा ही है..... क्योंकि उन्हें पता है... बड़ा हुक्का ज्यादा आवाज करता है । शारदा की और साहब की उम्र में हालांकि 12 साल का फासला है... लेकिन फिर भी शारदा को अपना चुपजदा जीने का ढंग सीखने में कोई परेशानी नहीं हुई। इसके लिए वह अपनी दादी मां की बड़ी शुक्रगुजार है। उसे याद है जब वह छोटी थी ...महज 9 साल की ... पांचवीं कक्षा में पढ़ती थी । बड़ा परिवार था । सब भाई बहन खाना खा रहे थे ।खाना खाकर शारदा ने जोर से डकार मारी...तो दादी ने तुरंत उसकी क्लास ले ली थी... ए !! लड़की !! ये क्या बेशर्मी है ? कुछ तो तमीज सीख ले... इतनी बड़ी हो गई है... और किसी बात की लियाकत नहीं है। खबरदार !! जो इतनी जोर से डकार मारी... अगले घर जाएगी... तो नाक कटवाएगी अपने बाबा की । बाबूजी भी सुनकर भीतर आए थे ... उसे याद है ... हालांकि बाबूजी ने तो उस दिन उसी की तरफदारी की थी। उन्होंने कहा था 'अरे ! क्या अम्मा ..छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को डांटती हो... हो जाएगी सयानी अम्मा... अभी बच्ची है...। अम्मां को हालांकि दादी का डांटना बुरा लगता था। लेकिन वह कभी बोल कर उनका विरोध नहीं करती थी । बहुत हुआ तो बस किसी बहाने से बच्चे को पकड़ कर अंदर ले जाती थी। घर में... खासकर लड़कियों का ऊंचा बोलना ... खाते वक्त पचर-पचर की आवाज करना... जोर से दरवाजा बंद करना... कुंडी को जोर से खोलना व जोर से हंसना ... बिल्कुल बैन था। उसे याद है जब एक बार सब आंगन में बैठे थे । शाम का वक्त था ... बड़े पलंग पर बच्चे मस्ती कर रहे थे... कि बड़की ने पाद मार दिया और सब बच्चे हंसने लगे, पहले धीरे-धीरे फिर जोर जोर से... छोटू की हंसी तो रुक ही नहीं रही थी.... कि दादी से रहा नहीं गया और वह फट पड़ी... क्या बेशर्मों की तरह दांत निकाल रहे हो..... कुछ तो शर्म करो... बड़े छोटे की ... और छोटू ने कहा था ..'दादी अम्मा !! बड़की ... और... बड़की चुपचाप उठकर अंदर चली गई थी। उस दिन शारदा को एक सबक मिला और फिर वह इस तरह की समस्याओं से निपटना सीख गई। साहब तो शादी भी नहीं करना चाहते थे । उन्हें छब्बीस साल की उम्र में नौकरी मिली और करीब सात साल तक शादी से बचते रहे। हालांकि इस बीच परिवार का दबाव भी आया। लेकिन उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। कॉलेज में भी ले देकर एक मित्र था उनका, जिससे उनकी पटती थी । उसने भी बहुत कहा... 'यार ! शादी कर लेता.. तो हम भी तेरी बारात में नाच लेते एक दिन ... बीयर वीयर पीकर । कसम से ... आज तक नाचा नहीं हूं ... यार !! और यह हसरत मेरे साथ ही जाएगी...तो देख! तुझे पाप लगेगा .. देख ले... और साहब हंस कर टाल जाते। फिर एक दिन इतवार को वे अपनी बूढ़ी अम्मा के साथ शारदा को देखने आए। शारदा तब इक्कीस की थी और बी. ए. करके पढ़ाई छोड़ चुकी थी। साहब तैंतीस के हो चुके थे और शारदा उनसे बारह साल छोटी थी.. लेकिन गनीमत यह थी कि साहब तैंतीस के लगते नहीं थे और शारदा का भरा हुआ शरीर उसे किसी भी कीमत पर पच्चीस से नीचे दिखाने को तैयार नहीं था। साहब को भी अब जिंदगी की सच्चाई का पता चलने लगा था। भाई वाई सब अपने -अपने काम धंधे जमा कर अपना अलग आशियाना बसा चुके थे। घर में मां और वे बस दोनों ही रह गए थे। मां की क्षमताएं अब धीरे-धीरे चूक रही रही थी तो उनका मन बना कि चलो अब शादी की जानी चाहिए और वे शारदा को देखने पहुंच गए।

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर । शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे। बाबूजी की उन्होंने बस दो बातें मान ली थी कि .. एक... इतवार को मुहूर्त नहीं है, अतः आप गुरुवार को आएं...और दूसरी ... हमारी अम्मा जी चाहती हैं कि वरमाला के साथ फेरे जरूर हों और यह दोनों बातें साहब ने मान ली थी । बाकी तो बाबूजी, अम्मा जी और शारदा भी किसी प्रकार के ढोल ढप्पर और बड़े तामझाम के पक्ष में नहीं थे। शारदा जब आई तो उसने देखा कि उसका खूब सारी जगह में खूब सारे दरख़्तों के बीच तीन कमरों का अस्त-व्यस्त मकान है। उसके सभी कमरे लाइब्रेरीनुमा हो गए हैं। अम्मा जी के कमरे में भी किताबें हैं। साहब का कमरा तो है ही किताबों का समंदर। बाहर बरामदे में भी यत्र-तत्र पुराने अखबारात, तरह-तरह के रसाले, चिट्ठियां, पत्रिकाएं भरी पड़ी हैं। पीछे खूब बड़ा सा गुसलखाना है लेकिन लकड़ी का एक पुराना रैक वहां भी है और उस पर भी नए-पुराने अखबार, पत्र -पत्रिकाएं पड़ी हैं। दो बड़े कमरों के बीच रसोई है तथा दोनों कमरों व रसोई से बाहर निकलो तो बरामदे में एक बड़ा दरवाजा आने-जाने के लिए है। यानी बरामदे के दरवाजे को बंद कर दो तो फिर कमरा और रसोई को बंद करने की कोई जरूरत नहीं रहती । शारदा को करीब एक सप्ताह लगा... कि उसने घर को एक करीना दिया। अब सब कुछ यहां व्यवस्थित था। शारदा को शुरू में बहुत ताज्जुब होता कि यहां आवाजें बहुत कम सुनाई देती हैं। साहब और अम्मा जी बाहर पेड़ों के नीचे घंटों बैठे रहते लेकिन बिल्कुल चुपचाप .... कभी कुछ उनमें बातचीत भी होती तो बिल्कुल धीरे-धीरे फुसफुसाते हुए। कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब कुछ लिख रहे हैं या पढ़ रहे हैं और अम्मा जी चुपचाप बैठी हैं और उन्हें देखती रहती हैं या कि कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं और चुपचाप बैठे हैं। एक निश्चित समय पर शारदा चाय बना लाती। तीनों चुपचाप बैठकर चाय पीते। अब तो शारदा साहब के देखने भर से समझ जाती हैं कि उन्हें क्या चाहिए या की चाय कैसी बनी है। साहब की पसंदगी-नापसंदगी सब पता है शारदा को। यहां तक कि साहब के साथ बिस्तर पर भी... हालांकि शुरू-शुरू में उसकी सांसें खूब तेज हो जाती थी। अंतरंग क्षणों में और चरम पर पहुंचकर वह खूब जोर से चीखना चाहती.... फिर एक बार साहब ने उन्हें फुसफुसाते हुए ..कहा था कि सांसों को व्यवस्थित रखने से समय बढ़ता है और आंखें बंद कर इस आनंद को पी जाने से चरम सुख कई गुना हो जाता है। सुनकर वह चौक गई थी और बीच रास्ते से ही वापस लौट आई थी। अब तो खैर बच्चे हो गए हैं और बच्चे भी चुपचाप ही हुए शारदा को .... निक्की के समय तो उसे समझ ही नहीं आया काफी समय कि यह सब कैसे होगा.... डॉक्टर को ताज्जुब हो रहा था कि यह कैसे चुपचाप आंखें बंद किए लेटी है। ऐसे समय में बहुत सी औरतें तो पूरा बखेड़ा खड़ा कर देती हैं। आसमान सिर पर उठा लेती हैं। हालांकि डिलीवरी घर पर ही हुई दोनों ... लेडी डॉक्टर घर पर ही आ गई थी। असल में शारदा को टेक्निक थोड़ी लेट समझ आई। डॉक्टर बार-बार कह रही थी कि जोर लगाओ... को-ऑपरेट योरसेल्फ ... लेकिन शारदा कंफ्यूज की ... जोर कहां लगाना है ... उसे नहीं पता कि को-ऑपरेट किसको करूं? सेल्फ मतलब कौन ? वो तो भला हो उस नर्स का जो डॉक्टर के साथ आई थी उसकी हेल्प करने को ... जब डॉक्टर थोड़ी देर के लिए वॉशरूम गई तो नर्स ने उसे फुसफुसाते हुए एक सूत्र बताया कि.. बीबी जी जब टॉयलेट जाते हैं तो कैसे जोर लगाते हैं.. पता है ना? तो बस! वैसे ही जोर लगाओ... और कमाल की टेक्निक उसके हाथ लगी ... अगली पांच-सात मिनट के बाद निक्की उसके पास सो रही थी। असल में फुसफुसाकर कही गई बातें शायद शारदा को जल्दी समझ में आती हैं। और फिर प्रसव पीड़ा का इजहार तो वह इसलिए भी नहीं करना चाहती थी कि उसे पता था ... साहब बाहर शहतूत के नीचे चुपचाप बैठे हैं और उन्हें बुरा लगेगा। कुक्कू के वक्त तो बिल्कुल भी समय नहीं लगा। उसे डॉक्टर की बात याद थी कि को-ऑपरेट योरसेल्फ ...और कुक्कू बड़े आराम से आ गया.. डॉक्टर के पहुंचने से पहले ही ... चुपचाप ... बिना आवाज ...मां बनने के बाद तो शारदा और भी कुछ आवाजों की अभ्यस्त हो गई है। वह इन आवाजों में कुछ बेआवाज तलाश रही है। वह जो चुपचाप चला आता है... वात्सल्य ... और दोनों स्तनों से बहता हुआ... वह जीवन द्रव्य कभी आवाज नहीं करता। रात को कुक्कू कुनमुनाता है तो न जाने कब चुपचाप यह जीवन- रस-स्रोत उसके छोटे-छोटे होठों के बीच पहुंच जाता है ...और साहब बिलकुल बेखबर सोते रहते हैं।

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं । शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है।

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं । शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है।

कविता पं. कमल कांत भारद्वाज

सावन रस

सावन आया, सावन आया
देखो बादल और वर्षा लाया

डाल-डाल पर झूले डले हैं
चारों और फूल खिलें हैं

कोयल मोर पपीहा बोले
आओ सब मिल मल्हार बोलें

कान्हा से राधा बोलीं
बजाओ कान्हा तुम मुरली

इस वर्षा में सब भीगे रहें हैं
अपने मन को सब सींच रहे हैं

धरती यौवन से झूल रही है निर्जन
आँखों को आशाएं घेर रही हैं

कलियों पर आया उभार है
भँवरों पर चढ़ा मादकता का ख़ुमार है

सावन आया सावन आया
मनोरम मनभावित दृश्य है बनाया

कविता डॉ.कंचन मखीजा

मैं क्या हूँ

मैं अन्न का एक अंश हूँ-
जैसा दोगे भोजन,वैसा शरीर बन जाऊँ।
शुद्ध सात्विक अन्न मिले तो बनूँ ऊर्जा-
दूषित मिले आहार तो रोग विकृत बन जाऊँ।।
मैं विचारों की गूंज हूँ-
शब्दों के स्पंदन से मन की ध्वनि सुनाऊँ।
जीवन दिशा को तय करने वाला-
सूरज मैं बन जाऊँ।।
मैं व्यवहार की छाया हूँ-
कर्म कृति में आकर कर जाऊँ।
पीछे जो छूटा वो बंधन हूँ -
रक्त हृदय में बन जाऊँ।।
अन्न को समझों, मन को साधो,
चाल-ढाल से जीवन को मांझों।
आहार, विचार, व्यवहार में सच की-
दिव्य दृष्टि से खुद को आँको।।
अभी समय है, संभलो तुम,
भाव भक्ति के भर लो तुम।
आत्म ज्योति प्रदीप्त करो और-
जग में ओज बिखेरो तुम।।
विलय करो सब न्यून अहम् ।
योगः कर्मसु कौशलम् ।।

कविता सुमन जाजू

सैनिक भाई को पत्र

मैया, ये राखी भेज रही हूँ,
तेरे नाम का तिलक सहेज रही हूँ।
सीमा पर जो तू डटा खड़ा है,
वो मेरा गर्व, मेरा गहना बड़ा है।

तेरी बहन आज नहीं रोएगी,
तेरे साहस पर बस नाज़ ही बोलेगी।
हर साल जब तू दूर रहा,
मैंने राखी को और मजबूत कहा।

मैया, तू सिर्फ मेरा नहीं,
ये भारत माँ का वीर सपूत सही।
तेरी वर्दी में जो तेज है झलकता,
हर बहन का आशीष तुझमें दमकता।

तेरी हर गोली में विश्वास है,
तेरे कदमों में पूरा आकाश है।
जहाँ तू है, वहाँ डर की जगह नहीं,
तेरे जैसा भाई, हर बहन को कहीं नहीं।

आज मैं बाँध रही हूँ शब्दों की डोरी,
जिसमें प्रेम भी है, शक्ति की बोरी।
तू जिए सौ साल, वीरता के संग,
तेरे नाम का गाए ये भारत हर रंग।

राखी का ये धागा, तुझ तक उड़ चला,
देशभक्ति में रंगा, मेरा अभिमान चला।
सैनिक भाई, तू लौट के जल्दी आना,
तेरी बहन ने फिर गुलाब जामुन है बनाना।

कविता डॉ.कमलेश मलिक

सावन की बहार

बहें झोंके पवन के
जब बहारें झूम सी उठतीं
कहीं पीड़ा जगा देता
बरस जाता कहीं बादल
धरा का उर धड़क उठता
लहराता कहीं आंचल

दहकता है कहीं जियरा
हिलोरें हूक सी भरतीं
खुलते पंख मयूरों के
चातक रटता पिहू पिहू
छप्पर से मोती टपके
कोयल गाती कुहू कुहू

छमाछम नाचती बूंदें
सुरीली बांसुरी बजतीं
अंबर से उतरीं भू पर
नदी बनकर बहीं जातीं
समंदर को वरण करने
उलझतीं और टकरातीं

निज अस्तित्व खो देतीं
उसी में डूब सी जातीं
कहीं बहती है पुरवाई
कहीं बरपा कहर भारी
कहीं तो चांदनी बिखरे
कहीं घिरती है अंधियारी
प्रकृति का यही नर्तन
लताएं झूल सी उठतीं

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वशिष्ठ का आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कहना है कि साहित्य कभी मर नहीं सकता और बदलते परिवेश में सोशल मीडिया और टीवी ने पुस्तकों से ध्यान हटाया है, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आज भी साहित्य खूब पढ़ा जा रहा है और पाठक प्रतिक्रिया भी खूब दे रहे हैं। उनकी नजर में लेखक जन्मजात होते हैं, उन्हें जबरन इजाद नहीं किया जा सकता।

साक्षात्कार ओ.पी. पाल

यथार्थ को कथ्य में समाहित करना आवश्यक : डॉ. सुरेश वशिष्ठ

साहित्य के क्षेत्र में हरियाणा के लेखकों ने विभिन्न विधाओं में साहित्य संवर्धन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास किया है। ऐसे ही साहित्यकारों में शुमार डॉ. सुरेश वशिष्ठ अपनी लेखनी के जरिए साहित्यिक और सांस्कृतिक साधना करने में जुटे हैं। उन्होंने एक रंगकर्मी, नाटककार, कथाकार और उन्यासकार के अलावा रंगकर्मी के रूप में सामाजिक सरोकारों के मुद्दों को उजागर करते हुए संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं और अतीत से रूबरू कराने का प्रयास किया है। डॉ. सुरेश वशिष्ठ ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को भी उजागर किया है, जिसमें कोई भी लेखक और कलाकार यथार्थ की हकीकत को कथ्य में समाहित करके अपनी संस्कृति से विमुख होती युवा पीढ़ी को प्रेरित कर सकता है।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक डा. सुरेश वशिष्ठ का जन्म 14 मार्च 1956 को दिल्ली के बरवाला गांव में पं. रघुवीर सिंह शर्मा व इन्द्रावती के घर में हुआ। वशिष्ठ के पूर्वज ठाकुरद्वारे की पूजा-अर्चना में पुजारी रहे और वाचन भी करते थे। उनके पिताजी दिल्ली के शिक्षा विभाग में शिक्षक, मुख्य शिक्षक और सहायक शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। वहीं धार्मिक पुस्तकों का लेखन भी करते रहे। परिवार के ऐसे परिवेश में उनका प्रेरित होना स्वाभाविक था, जिसके चलते उन्हें लिखने की प्रेरणा मिलती रही है। बकौल सुरेश वशिष्ठ, उनकी प्रारम्भिक शिक्षा गांव बरवाला में ही हुई। जबकि उच्च शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय से पूरी की। बाद में उन्होंने जामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली से 'हिन्दी नाटक और रंगमंचः बर्टोल्ट ब्रेख्त का प्रभाव' विषय पर पीएच.डी. की उपाधि हासिल की। उन्होंने दिल्ली सरकार के अधीनस्थ विद्यालयों में प्रवक्ता (हिन्दी) के पद पर अनेक वर्षों तक कार्य किया। इसके बाद साल 2006 में द्वारा उनकी प्रधानाचार्य पर नियुक्ति हुई और इसी पद से वे 31 मार्च 2018 को सेवानिवृत्त हुए। साहित्यिक अभिरुचि के चलते उन्होंने शुरू में व्रत कथाओं को लिखना शुरु किया। जब वे नौवीं कक्षा में थे, तो हरियाणा के सोनीपत के एक गाँव में उनके मामा उनके पिताजी को हरियाणा के किसी गाँव में हुई घटना सुना रहे थे, तो उन्होंने भी उसे सुना और अगले दिन उसे अपनी कलम से लिख डाला। इस पर उनके एक सहपाठी ने शिक्षक से उसके नोवल लिखने की शिकायत की। इस पर शिक्षक ने आँखें तरेरी और जो लिखा था, उसे दिखाने को कहा। उनके मन में था कि उसे डाँट पड़ेगी, लेकिन शिक्षक ने जब उनकी लिखी कहानी को पढ़ा और पूछा कि यह सब लिखने का विचार कैसे आया, बताने पर मुझे शाबाशी मिली और वह उनकी पहली कहानी थी। लेखन और साहित्यिक सफर में परेशानी को लेकर डा. वशिष्ठ का कहना है कि लिखना दिलचस्प भी है और दुखदाई भी। लेकिन यथार्थ में जो हो रहा है, उसे लेखन का विषय बनाया जाना चाहिए। उसके बाद उन्हें कथा-कहानी और शेरो-शायरी और फिर अभिनय का शौक चर्राया। कक्षा नौ में स्कूल के एक उत्सव में 'श्रवण कुमार' नामक नाटक में पहली बार अभिनय किया। फिर उन्होंने कॉलेज में अभिनय के साथ नाट्य लेखन की शुरुआत की और उनका पहला और प्रसिद्ध नाटक 'पर्दा उठने दो!' इतना प्रसिद्ध हुआ कि उन दिनों उसके पूरे भारत में पाँच हजार से ज्यादा शो हुए। हरियाणवी उनकी मात्रभाषा है लेकिन वह अपना लेखन हिन्दी में ही करते हैं। उनकी कहानियां, लघुकथाएं, हिंदी के लोकनाट्य और कला रंग और लोक (आलोचना) जैसे आलेख और साक्षात्कार देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। डा. सुरेश वशिष्ठ के साहित्य पर पीएचडी और एमफिल की उपाधि के लिए शोधकार्य भी हुए। उनके लेखन के फोकस में यथार्थ को दिखाना रहा है, क्योंकि रचनाकार की नजर यथार्थ पर जरूर रहनी चाहिए। डा. सुरेश वशिष्ठ कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था 'संस्कार भारती' में पिछले पच्चीस वर्षों से हरियाणा में, प्रांत उपाध्यक्ष, प्रांत नाट्य प्रमुख, प्रांत साहित्य प्रमुख जैसे विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते रहे हैं। वहीं वे तीन वर्ष तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार) में सदस्य रहे। इसके अलावा कला, रंग-कर्म और लेखन से संबंधित अनेक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वरिष्ठ ने करीब तीन दर्जन नाटक, करीब पाँच सौ कहानियाँ, दो दर्जन बाल पुस्तकें और पाँच उपन्यास लिखे हैं। उनके कहानी संग्रहों में प्रमुख रूप से खुरदरी जमीन, चली पिया के देश, सिपाही की रस्म, घेरती दीवारें, बहती धारा, लोकताल, श्रंगारण, नीर बहे, ताल मधुरम, झीनी-झीनी रोशनी (भाग-एक), छलकते कलश (भाग-दो), भुला नहीं सका हूँ कहानियाँ, रक्तचरित्र कहानियाँ, अधूरी दास्तान कहानियाँ, सफर कभी रुका नहीं कहानियाँ, निर्झर नीर (खंड-पांच) कहानियां, आदि शामिल हैं।

डॉ. सुरेश वशिष्ठ

पुरस्कार व सम्मान

डा. सुरेश वशिष्ठ को हिन्दी साहित्यकार गौरव सम्मान, साहित्यकार सम्मान, साहित्य आराधना सम्मान, साहित्य रत्न सम्मान, सारस्वत सम्मान, साहित्य सृजन से राष्ट्र अर्चन,प्रस्तुत आलेख सम्मान, सामाजिक गौरव पुरूस्कार, विमल शुभ स्मृति साहित्य रत्न सम्मान, शब्द शक्ति सम्मान, प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व-शान्ति सम्मान, डा.राधाकृष्णन सहस्राब्दि राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान, शिक्षक गौरव सम्मान, गौरक्षक एवं कला सम्मान आदि पुरस्कार एवं सम्मानों से अलंकृत किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :डॉ. सुरेश वशिष्ठ
जन्मतिथि : 14 मार्च 1956
जन्म स्थान : बरवाला गाँव, दिल्ली
वर्तमान निवास : गुरुग्राम, हरियाणा
शिक्षा : एम.ए (हिन्दी) बी.एड. पी-एच.डी.
संप्रति : साहित्यकार, रंगकर्मी, कथाकार, नाटककार, उपन्यासकार सेवानिवृत प्राचार्य

जीवन तक दर्शन समझाती 'जीवन के अंधेरे उजाले'

पुस्तक :जीवन के अंधेरे उजाले
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झंडई
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा शशि कांत चौहान

डॉ. हरीशचंद्र झंडई का काव्य संग्रह 'जीवन के अँधेरे उजाले' इंसान के जीवन की विविधताओं को दर्शाता है। जैसे जीवन में खुशियां और गम आते हैं। जैसा कि स्वयं कवि स्वयं लिखते है कि हमारे जीवन में कई भावनाएं रहती है, जिनसे हमारा जीवन प्रभावित होता है। यही जीवन का दर्शन है। इसी दर्शन से पाठक को रूबरू करवाती है पुस्तक 'जीवन के अँधेरे उजाले'। संग्रह में कुछ 82 कविताएं संकलित की गई है। इन कविताओं में इंसानी रिश्तों, पारिवारिक परिवेश, सामाजिक परिदृश्य देश हित, देशभक्ति और मातृशक्ति के प्रति चिंतन के साथ-साथ त्योहारों की सुंदरता का वर्णन भी देखने को मिलता है। 'कुछ अंधेरे कुछ उजाले' में कवि ने यह समझाने का प्रयास किया है कि इंसान की अपनी कभी नकारात्मक सोच के कारण कैसे जिंदगी प्रभावित होती है और यदि व्यक्ति धैर्य रखे तो समय बदलेगा और एक नई जिंदगी की शुरुआत होगी। संग्रह की पहली कविता बेटे की पुकार के माध्यम से एक परिवार के ऐसे बेटे का दर्द उभारा है जो बहन के प्यार के लिए तरसता है। ऐसे में इस कविता से कवि ने संदेश दिया है कि हमें आपकी बेटियों की रक्षा करनी चाहिए और भ्रूणहत्याएँ जैसे कलंक को समाज से मिटाने की दिशा में काम करना चाहिए। 'दिखती है कभी-कभी महिला शक्ति' में कवि ने समझाया है कि किस तरह से दमन के बावजूद महिलाएं अपने हौसले के दम पर ऊंचाइयों को छूती हैं और अपनी प्रतिभा साबित करती हैं। तब समाज का विस्मित कर देती हैं। 'प्रकृति की छाँव' के माध्यम से ५री सूरज की गर्मी और पक्षियों की चहचहाहट का जिक्र करते हुए कवि पे यह समझाने का प्रयास किय है कि इंसान के जीवन में कितनी भी कठिनाइयों आएं, लेकिन उन कठिनाइयोंत को अंत होना भी निश्चित है। जल ही शक्ति है कविता में डॉ. झंडई ने पानी का महत्व बताने का प्रयास किया है कि यह जीवन के लिए कितना आवश्यक है कि इसके बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। इस रचना के जरिए कवि ने जल संरक्षण का संदेश दिया है। 'आओ हाथ बढ़ाएं' के माध्यम से कवि ने सभी का आह्वान किया है कि आज की बदलती दुनिया में हमें भी समय के साथ बदलना है। आइए हम दूसरों का मार्गदर्शन करें और दूसरों की तरफ हाथ बढ़ाएं। हरीशचंद्र झंडई के प्रस्तुत संग्रह की भाषा सहल, सरल एवं सीधी-सादी है। संग्रह की रचनाएं अपना संदेश पाठकों तक पहुंचाने में सफल नजर आती हैं। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

योग साधकों को भेंट किए 121 पौधे

भिवानी। दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर, कोंट रोड, मिनी बायपास, काली माता मंदिर रोड पर प्रतिदिन सुबह पांच बजे से चल रही निशुल्क योग कक्षा के दौरान राष्ट्रीय बहन दिवस को विशेष रूप में मनाया गया। इस अवसर पर नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था (रजि.) द्वारा 121 पौधे योग साधकों व श्रद्धालुओं को भेंट स्वरूप वितरित किए गए। मंदिर की प्रबंधक उर्मिला सैनी ने कहा बहन केवल एक रिश्ता नहीं, वह परिवार की शक्ति और ऊर्जा है। उसी प्रकार एक वृक्ष भी धरती का जीवन है। इस बहन दिवस पर हमने संकल्प लिया कि हर बहन की ओर से एक वृक्ष रोपित हो जिससे बहनों का सम्मान और प्रकृति का संरक्षण दोनों एक साथ हो सकें।

विधायक व पूर्व सीपीएस ने जताया शोक

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव लोहारी जाटू में समाजसेवी एवं मुख्याध्यापक मनोज यादव के पिता 95 वर्षीय रतिराम यादव के निधन पर हलका विधायक कपूर वाल्मीकि, पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी, समाजसेवी आनंद यादव, रमेश जाखड़, नरेन्द्र भाकर, मनोज वधवा, संजय भारद्वाज आदि ने पहुंचकर शोक जताया। हलका विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि रतिराम यादव जमीन से जुड़े हुए इंसान थे और हमेशा एक दूसरे की मदद के लिए आगे रहते थे। वहीं समाजसेवी आनंद यादव ने बताया कि मनोज यादव व इनका पूरा परिवार जमीन से जुड़ा हुआ है और लोगों की भलाई में लगे रहते हैं। वे वृद्धावस्था में भी व्यायाम करते थे और घूमना उनकी दिनचर्या में शामिल था।

हेमसा सात सितंबर को करेगा प्रदर्शन

भिवानी। शिक्षा सदन में विराजमान अफसरशाही फील्ड कर्मियों का शोषण कर रही है। मांगों का समाधान करना तो दूर वार्ता मीटिंग के लिए समय तक नहीं दे रही। गत नौ जून को एसीएस के साथ हुई थी, वार्ता मीटिंग। अफसरशाही की वादा खिलाफी से खफा हरियाणा शिक्षा विभाग कर्मचारी तालमेल कमेटी संबंद्ध सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर हुई, जिसमें सात सितंबर को शिक्षा मंत्री के कैंप ऑफिस पानीपत में होने वाले मास डेपुटेशन प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर चर्चा की।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर किया जागरूक

बहल। पर्यावरण सरंक्षण के लिए वाटर शैड स्कीम के तहत कस्बे के श्री श्याम भवन में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। समारोह में कस्बे के पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल मुख्यातिथि रहे जबकि अध्यक्षता सचिव महेश सोनी ने की। कार्यक्रम में वाटर शैड स्कीम के तहत फल व फूलदार पौधों का वितरण किया गया और लगाने को प्रेरित किया।

भागवत के प्रसंगों को जीवन में उतारें

- श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण मात्र से ही इंसान प्राप्त कर सकता है परमसुख : राम कृपालुदास

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भव्य एवं पारंपरिक वेशभूषा में रविवार से खाकी बाबा मंदिर के नजदीक स्थित श्रीलाल महादेव अखाड़े वाले शिव मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान सप्ताह यज्ञ शुरू हुआ। वहीं कथा से पूर्व सुबह कलश यात्रा खाकी बाबा मंदिर के महत रामकृपालु दास के आर्शीवाद से निकाली, जिसमें 151 महिलाओं ने अपने सर पर कलश उठाकर यात्रा में भाग लिया।

कलशयात्रा गोमति गिरी मंदिर से शुरू होकर शहर के विभिन्न मुख्य मार्गो से होती हुई लाल महादेव अखाड़ा वाला मंदिर में पहुंची, जहां श्रीमद्भागवत का पूजन विधि-विधान से संजय शास्त्री के सान्निध्य में हुआ। इस मौके पर महंत राम कृपालुदास महाराज ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण मात्र से ही इंसान अपने परमसुख को प्राप्त कर सकता है, इसीलिए मनुष्य को भागवत के प्रसंगों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। वहीं कलश यात्रा के उपरांत श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान सप्ताह यज्ञ में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कथावाचक गोवर्धन आचार्य ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा ऐसी कथा है, जो जीवन के उद्देश्य एवं दिशा को निर्धारित कर मनुष्य की जीवन यात्रा को सुगम बनाती है। उन्होंने कहा कि कथा की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब इसे हम अपने जीवन और व्यवहार में धारण करें।

नशे के कारण युवा हो रहे पथभ्रष्ट: विधायक

- नाटक, फिल्म, संगीत व चित्रकारी नशे के विरुद्ध संदेश देने का सशक्त माध्यम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों के साथ विधायक घनश्याम सर्राफ।

विधायक एवं पूर्व मंत्री घनश्याम सर्राफ ने कला जगत से जुड़े भिवानी के दिग्गज और उदयीमान कलाकारों के साथ सहभोज किया और उन्हें समाज को जागरूक करने वाले विषयों को अपनी कला के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

विधायक सर्राफ की इस अनोखी पहल से शहर में अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सूत्रधार डॉ करण पूनिया, चौ बंसीलाल विश्विद्यालय की पूर्व रजिस्ट्रार डॉ ऋतु सिंह,वैश्य महाविद्यालय के स्वपोषित विभाग की निर्देशिका डॉ प्रोमिला दहिया,हरियाणा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष रामावतार शर्मा,चौ बंसीलाल विश्विद्यालय के युवा कल्याण विभाग की डायरेक्टर डॉ सोनल शेखावत, प्रसिद्ध हरियाणवी कवि डॉ वी एम बेचैन,भिवानी के प्रसिद्ध रंगकर्मी कौशल भारद्वाज और डॉ हरिकेश पंघाल भी जुड़े। एकत्रित हुए रंगकर्मियों और कला साधकों को प्रोत्साहित करते हुए विधायक घनश्याम सर्राफ ने नशा मुक्त समाज मुहिम चलाने का आह्वान किया।

पटकथा सुनाई

उन्होंने कहा कि आज समाज के सामने नशा सुरसा की भांति मुंह बाए खड़ा है। नशे के कारण हमारे युवा पथभ्रष्ट हो रहे हैं और घर टूट रहे हैं। ऐसे में नाटक,फिल्म,संगीत और चित्रकारी नशे के विरुद्ध संदेश देने का सशक्त माध्यम हो सकती हैं। इस अवसर पर हाल ही में सात अंतराष्ट्रीय फिल्म अवार्ड जीतने वाली लघु फिल्म मकड़ी के निर्देशक यश केजरीवाल ने नशे के नेटवर्क और उन्हें नेस्तनाबूद करने वाले प्लॉट की फिल्म की कहानी और पटकथा सुनाई, जिसे उपस्थित कलाकारों द्वारा खूब सराहा गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध कलाकार सोनू रोंझिया,साहिल बादल,अनूप कुमार, आदित्य मोगली, नवीन कुमार, अंकित कुमार सहित कला जगत से जुड़े कई कलाकार भी उपस्थित रहे।

पौधरोपण से आने वाली पीढ़ी का जीवन करें सुरक्षित: डॉ. लोकेश

अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर संतान की तरह पालें : वर्मा

हेल्पिंग हैंड्स व पर्यावरण शुद्धिकरण समिति ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। पार्क में पौधरोपण करते पर्यावरण प्रेमी। *फोटो: हरिभूमि*

मानव एवं प्रकृति के बीच के संतुलन को सहेजने के उद्देश्य से रविवार को हुडा पार्क में प्रेरणादायक पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व स्टैंड विद नेचर संगठन के अध्यक्ष डॉ. लोकेश भिवानी ने किया। कार्यक्रम में सहयोगी संस्थाओं हेल्पिंग हैंड्स एवं भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर हेल्पिंग हैंड्स की सदस्या शशि अरोड़ा व रीना तनेजा ने कहा कि बरसात के इन दिनों में पौधा लगाना पुण्य कार्य है, वहीं वर्षभर उसकी देखभाल कर उसे जीवंत बनाए रखना हमारी असली जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि हम इन पौधों को पालेंगे, पोसेंगे और अगले वर्ष इनका जन्मदिन भी मनाएंगे। डॉ. लोकेश ने कहा कि पौधरोपण एवं पर्यावरण का संरक्षण आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करना हैं, ताकि आने वाली पीढ़ी का भविष्य एवं जीवन शुद्ध, स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित रहे, इसलिए स्टैंड विद नेचर निरंतर हरियाणा सहित पूरे देश में हरियाली व पर्यावरण संरक्षण के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। डॉ. नरेंद्र तनेजा ने अपने हाथों से पौधरोपण किया और संयुक्त पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ये केवल पौधरोपण नहीं, बल्कि हरियाली की ओर सामूहिक चेतना का प्रदर्शन है। समिति के संयोजक केके वर्मा ने पार्क में क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और सभी से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसे संतान की तरह पालें। अभियान में स्टैंड विद नेचर से शुभाष अरोड़ा, योगेश कुमार, सुरेंद्र बवेजा, मास्टर सुरेंद्र पिलानिया, विद्या देवी, आकाश लाडवाल, युवा कवि अंकुर अग्रवाल आदि का सहयोग रहा।

मानव कल्याण के लिए किया हवन

भिवानी। शंभु पीड़ित एवं पशु-पक्षी उपचार समिति द्वारा आयोजित सात हवन कार्यक्रम का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया है। इस मौके पर मुख्य आयोजक प्रदीप किराड़ ने हवन के महत्व पर प्रकाश डाला। किराड़ ने बताया कि रविवार को गांव ढाणा में शंभू पीड़ित चिकित्सालय में 7वें हवन का आयोजन किया, जिसमें अनेक लोगों ने आहुति डाली। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण के उद्देश्य से समिति द्वारा सात रविवार तक इन सात हवन का आयोजन करवाया। उन्होंने कहा कि हवन सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि ये पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

भिवानी। भीम स्टेडियम में पौधरोपण करते पर्यावरण प्रेमी। *फोटो: हरिभूमि*

पौधरोपण जैसे कार्यों से जुड़कर ऊर्जा को समाज व देश की भलाई में लगाएं युवा: बाबा

भिवानी। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में त्रिवेणी बाबा के सान्निध्य व पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा के नेतृत्व में चलाए जा रहे सद्भावना त्रिवेणी रोपण अभियान के तहत रविवार को भीम स्टेडियम में पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि त्रिवेणी का रोपण न केवल पर्यावरणीय संतुलन में योगदान देता है, बल्कि ये आध्यात्मिक एवं औषधीय महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं और हमें इनकी रक्षा करनी चाहिए, ऐसे अभियानों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अन्य युवाओं से भी अपील की कि वे पौधरोपण जैसे समाजसहित के कार्यो से जुड़े तथा अपनी ऊर्जा व समाज व देश की भलाई के कार्यो में लगाए। नेहरा ने बताया कि सद्भावना त्रिवेणी रोपण का ये अभियान निरंतर जारी रहेगा।

पौधे, ट्री गार्ड, दाना-पानी टीन, घोंसले और गोग्रास पात्र का वितरण आज

भिवानी। भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति द्वारा चार अगस्त को प्रसिद्ध आयुर्वेद विशेषज्ञ आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिन गत वर्ष की भांति जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। समिति चार अगस्त को प्रातः 10 बजे महम गेट स्थित आनंदी ज्वैलर्स के सामने विशेष कार्यक्रम का आयोजन करेगी, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के कल्याण के लिए विभिन्न वस्तुओं का वितरण किया जाएगा। यह जानकारी भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति के संयोजक केके वर्मा ने दी।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में पौधारोपित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत पौधरोपण कार्यक्रम सराहनीय

- पर्यावरण की सुरक्षा से बढ़कर कोई पूजा नहीं : बुवानी वाला

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

वैश्य महाविद्यालय भिवानी के प्रांगण में वैश्य महाविद्यालय भिवानी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 1 व 2 एवं यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (भिवानी इकाई) द्वारा एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत संयुक्त रूप से किया गया वृक्षारोपण एवं वृक्ष वितरण समारोह का आयोजन वैश्य महाविद्यालय के प्राचार्य एवं यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश चेयरमेन डॉ संजय गोयल के नेतृत्व एवं महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 1 के कार्यक्रम अधिकारी डॉ कामना कौशिक एवं इकाई 2 के कार्यक्रम अधिकारी डॉ मोहनलाल की देखरेख में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में विधायक एवं वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के महासचिव घनश्याम सर्राफ, विशिष्ट अतिथि वैश्य कॉलेज प्रबंधक समिति के उपाध्यक्ष डॉ पवन बुवानी वाला,पूर्व विधायक एवं यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के जिला प्रधान जगजीत सांगवान,सदस्य पूर्व प्राचार्य डॉ बुद्धदेव आर्य, जगतनारायण भारद्वाज, डॉ रतन सिंह, डॉ अनिल तंवर, डॉ कृष्ण कुमार,डॉ मंगतराम, डॉ नरेंद्र सिंह,कार्यालय अधीक्षक कमल भारद्वाज,आयुष गोयल ने शिरकत की।

प्रकृति ईश्वर का दिया अनुपम वरदान: डॉ पवन

विशिष्ट अतिथि वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के उपाध्यक्ष डॉ पवन बुवानी वाला ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा से बढ़कर आज कोई पूजा नहीं है। प्रकृति ईश्वर प्रदत्त अनुपम वरदान है। जो हमें जीवन दान देती हैं इसलिए प्रत्येक मनुष्य को हर खुशी के अवसर पर वृक्षारोपण आवश्यक रूप से करना चाहिए। पूर्व विधायक एवं यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के जिला प्रधान जगजीत सांगवान ने कहा कि आज लगातार बढ़ रहे पर्यावरण प्रदूषण के कारण वृक्षारोपण अभियान चलाना प्रशंसनीय है क्योंकि पेड़ों से ही हमारी जिंदगी है। बिना पेड़ पौधों के हमारा जीवन भी अधूरा है।

संयुक्त किसान मोर्चा का धरना जारी

- पूर्व मुख्य संसदीय सचिव रावदान सिंह धरने पर पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढड़ा

बाढड़ा। अनाज मंडी परिसर में संचालित धरने पर पूर्व विधायक राव दानसिंह को मांगपत्र देते संयुक्त किसान मोर्चा पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

भिवानी दादरी जिले के वर्ष 2023 के खरीफ सीजन के बकाया मुआवजा समस्या को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा पदाधिकारियों द्वारा जुई रोड़ पर संचालित बेमियादी धरना प्रदर्शन 19 वें दिन भी जारी रहा जिसमें कर सरकार के खिलाफ जमकर रोष जताया। धरने पर पहुंचे पूर्व मुख्य संसदीय सचिव रावदान सिंह सहित किसानों, राजनैतिक संगठनों ने सीएम के कृषि हितैषी दावों व वायदों को झूठा बताया तथा मामले को विधानसभा सत्र में उठाकर मांगे मनवाने का भरोसा दिया। संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारियों द्वारा मुआवजे की मांग को लेकर कस्बे की अनाज मंडी के सामने मंगलवार को लगातार 19 वे दिन भी धरना जारी रखा। धरने की अध्यक्षता किसान नेता राजकुमार हड़ौदी व रणधीर सिंह कुंगड़ ने की तथा मंच संचालन रामपाल धारणी ने किया। आज के धरने पर श्योराण खाप अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह बेरला, छात्र नेता विजय मोटू, किसान सभा अध्यक्ष मास्टर रघबीर श्योराण काकड़ौली, सूमेर सिंह भांडवा, रणधीर कुंगड़, भुप सिंह दलाल, ब्रहमपाल बाढ़डा, रामपाल धारणी आदि शामिल रहे।

ना मुआवजा मिला ना जलभराव से निजात: राव

- प्रदेश की सरकार हर मोर्चे पर विफल : राव दान सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढड़ा

बाढड़ा। लोगों से बातचीत करते पूर्व सीपीएस राव दान सिंह। *फोटो: हरिभूमि*

प्रदेश के पूर्व मुख्य संसदीय सचिव व दिग्गज कांग्रेसी नेता राव दानसिंह ने कहा कि भाजपा के दो दो सांसद व लोकसभा क्षेत्र के दो दो कैबिनेट मंत्री होने के बावजूद दक्षिणी हरियाणा में आईआईटी जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थान लाने में असहाय है वहीं किसानों को नहरी पानी, खाद बीज व नुकसान होने के बावजूद मुआवजा ना मिलना सरकार की विफलता का परिणाम है। कांग्रेस पार्टी जल्दी ही जिलाध्यक्षों की घोषणा करने वाली है वहीं भाजपा नेताओं को हमारे संगठन से पहले अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष पर फैसला लेने में देरी पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। भाजपा के दिल्ली दरबार में हालात खराब हैं और बिना कारण अनेक नेता अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। यह बात उन्होंने कस्बे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते हुए कही। उन्होंने कहा कि इस सरकार में ना पहले सीजन की बर्बाद फसलों का मुआवजा मिल पाया है और ना ही मौजूदा समय में जलभराव से खराब फसलों की सुध ली जा रही है। पिछले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार की

रातोंरात सुविधाएं की बंद

भाजपा सरकार चुनाव के समय रोजगार, पीले कार्ड देने का काम करती है लेकिन चुनाव का लक्ष्य पूरा होते ही रातोंरात गरीब परिवारों की सुविधाएं बंद की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार संवेधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है और संविधान बचाओ यात्रा को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर आमजन को जागरुक करेंगे तथा छतीस बिरादरी को एकसूत्र में रहने का पैगाम देंगे। पंजाब से नहरी पानी मिलना हमारा अधिकार है लेकिन भाजपा व आप दोनों मिलकर प्रदेश के हितों से कुठाराघात कर रही हैं। विपक्ष में रहकर एसवाईएल का पानी लाने का झूठा सपना दिखाने वाली भाजपा सरकार केन्द्र में 11 वर्ष से है लेकिन एक कदम भी नहीं बढ़ा पाई और विधानसभा चुनाव में भाजपा की बी टीम बनकर रह गई।

फौजी ने विभिन्न गांवों का दौरा किया

- सरकार की अनदेखी के कारण नारकीय जीवन जीने को मजबूर है ग्रामीण : रामकिशन फौजी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। जलभराव का निरीक्षण करते पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी।

पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण बवानीखेड़ा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जलभराव की गंभीर समस्या पैदा हो गई है। बवानीखेड़ा क्षेत्र के कई गांवों में बरसाती पानी की निकासी की उचित व्यवस्था न होने से ग्रामीणों और किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव की समस्या इतनी भयंकर रूप ले चुकी है कि विभिन्न गांवों में स्कूल, अस्पताल सहित विभिन्न सरकारी भवन व खेत पूरी तरह से जलमग्न हो चुके है, लेकिन इसके बावजूद भी सरकार इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही। इसी समस्या को जानने के लिए पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी ने रविवार को तिगड़ाना, धनाना, बड़ेसरा, मुंढाल और तालु जैसे गांवों का दौरा किया तथा ग्रामीणों व किसानों की पीड़ा जानी। पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी के दौरे के दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं विस्तार से बताईं। उन्होंने कहा कि जलभराव के कारण घरों और गलियों में पानी भर गया है, जिससे रोजमर्रा के काम करना मुश्किल हो गया है। बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कत हो रही है और बीमार लोगों को अस्पताल तक पहुंचाना भी एक चुनौती बन गया है। किसानों ने बताया कि पानी खेतों में घुस गया है।

रक्षाबंधन भाई बहन के पवित्र संबंधों की दिलाता याद : उमेद

भारतीय संस्कृति को जीवंत रखते हैं त्योहार

- ब्रह्माकुमारी वसुधा ने विधायक उमेद पातुवास को बांधी राखी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। विधायक उमेद पातुवास को राखी बांधती ब्रह्माकुमारी वसुधा व अन्य।

भारतीय संस्कृति व संस्कारों को जीवंत रखते हैं त्योहार रक्षाबंधन भाई बहन के पवित्र संबंधों की याद दिलाता है, ये विचार बाढ़ड़ा विधायक उमेद पातुवास ने ब्रह्माकुमारी बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वयं को आध्यात्मिक, मानवीय व सामाजिक मूल्यों में बांध व्यर्थ व नेगेटिव से रक्षा कर सकारात्मक विचारों से भरपूर हो तो हम समृद्ध समाज का निर्माण कर सकते हैं। विधायक पातुवास ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनों की त्याग, तपस्या व निःस्वार्थ सेवा से अवश्य ही समाज में सद्भावना व सौहार्द का वातावरण बनेगा। समाज को नशामुक्त व सद्भावना युक्त बनाने में ब्रह्माकुमारी संस्थान का प्रयास सराहनीय है।

बहन भी अपने भाई की सच्ची मित्र

इस अवसर पर झोझूकलां-कादमा क्षेत्र की प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने विधायक उमेद पातुवास को दिव्य गुणों व परमात्म स्मृति की राखी बांधी व आत्म स्मृति का तिलक लगाया व रक्षाबंधन पर्व का आध्यात्मिक रहस्य बताया। ब्रह्माकुमारी वसुधा ने मित्रता दिवस पर कहा कि बहन भी अपने भाई की सच्ची मित्र होती है, रक्षाबंधन पर्व पर भाई बहन की रक्षा का वचन देता है। मुसीबत में साथ देने के लिए भी कहता है ठीक इसी तरह एक सच्चा दोस्त वहीं है जो मुसीबत में साथ दे ये तभी संभव है जब दोस्ती में निःस्वार्थ भाव समाया हो। ब्रह्माकुमारी बहन ने श्रीकृष्ण सुदामा की दोस्ती का जिक्र करते हुए कहा की दोनों की दोस्ती इतनी प्रगाढ़ थी और एक दूसरे के प्रति विश्वास सम्मान उनकी अंतरात्मा में भरपूर था। ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने कहा कि दोस्ती का संबंध हम स्वयं बनाते हैं, इसलिए उसको दिल से निश्चय और विश्वास से निभाना चाहिए कभी भी मित्रता में विश्वासघात नहीं होना चाहिए।

खबर संक्षेप

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

लोहारू। महात्मा ज्योतिबा फूले विकास समिति के तत्वावधान में पुराना शहर स्थित मोक्ष धाम में पौधा कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया ।समिति के सचिव श्सुभाष सैनी ढाणी सुरजा ने बताया कि संस्था अध्यक्ष मनफूल सिंह सैनी के निर्देशन में रविवार को पुराने शहर स्थित मुक्तिधाम में पीपल बरगद, नीम, सीरस और गुलमोहर आदि किस्म की पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण करके हम प्राणी मात्र के जीवन को आयाम दे सकते हैं। राम सिंह राकसिया, राम सिंह सैनी , वीरेंद्र सैनी , बहादुर सैनी , ओमप्रकाश सैनी रामकिशन सैनी, धर्मपाल , राजकुमार भार्गव ने भी पौधारोपण किया।

जरनल मैनेजर सुरेश नेहरा सेवानिवृत

भिवानी। 28 वर्षो की सेवा उपरांत घंटाघर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा से कैश ऑफिसर जरनल मैनेजर सुरेश नेहरा सेवानिवृत हो गए। रविवार को सेक्टर-13 स्थित हुडा कम्यूनिटी सेंटर में विदाई समारोह का हुआ आयोजन। विदाई समारोह में बतौर मुख्यतिथि हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के वाईस चेयरमैन विजेंद्र बड़गुज्जर ने शिरकत की। आयोग के उपाध्यक्ष विजेंद्र बड़गुज्जर ने सुरेश नेहरा के बैंकिंग करियर और उनके व्यक्तित्व की खूब सराहना की। उन्होंने कहा कि नेहरा एक मिलनसार और सहयोगी प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं। इसके साथ ही वे अपनी ड्यूटी के प्रति हमेशा कर्तव्यनिष्ठ तथा समय के पाबंद रहे।

खंड स्तरीय स्कूली शतरंज प्रतियोगिता आज

भिवानी। शिक्षा विभाग द्वारा राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 4 अगस्त को खंड स्तरीय स्कूली शतरंज प्रतियोगिता करवाई जाएगी। प्रतियोगिता सुबह नौ बजे से शुरू होगी। शिक्षा विभाग हरियाणा सरकार व हरियाणा शतरंज एसोसिएशन के सुरक्षित शतरंज की स्थापना मिशन के तहत प्रतियोगिता में 100 से अधिक खिलाड़ी अपनी बुद्धि का खेल दिखाएंगे। एचसीए के प्रदेश महासचिव कुलदीप शतरंज ने बताया कि प्रतियोगिता में अंडर 11, 14, 17, 19 आयुवर्ग मे पहले पांच स्थान प्राप्त करने वाले 20 लड़कियां व 20 लड़के विजेता खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भिवानी खंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

विभाजन-विभीषिका दिवस कार्यक्रम को लेकर भाजपा की बैठक आयोजित, 7 अगस्त को पंचायत भवन में होगा विभाजन-विभीषिका दिवस कार्यक्रम: विशाल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

आगामी 7 अगस्त को मनाए जाने वाले विभाजन-विभीषिका दिवस को लेकर भिवानी में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी सिलसिले में रविवार को स्थानीय विश्राम गृह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य 7 अगस्त को स्थानीय पंचायत भवन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा तय करना और उसकी सफलता सुनिश्चित करना था। बैठक में भाजपा के चुनाव प्रबंधक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विशाल सेठ ने मुख्य रूप से भाग लिया और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

खास बातें

- 1947 के विभाजन के दौरान जान गंवाने या विस्थापित होने वाले लोगों को दी जाएगी श्रद्धांजलि : सेठ
- विभाजन का दर्द झेलने वाले लोग कार्यक्रम में होंगे सम्मानित : विरेंद्र

1947 के विभाजन के दौरान जिन लोगों ने जान गंवाई थी उनके सम्मान में कार्यक्रम

कार्यक्रम के बारे में जानकारी दे

बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने की। उन्होंने विभाजन-विभीषिका दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि यह दिवस उन लाखों लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है, जिन्होंने 1947 के विभाजन के दौरान अपनी जान गंवाई थी या विस्थापित हुए थे। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी पूरी ताकत लगा दें। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता को अपने-अपने क्षेत्र में जाकर लोगों को इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी देनी चाहिए और उन्हें इसमें शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि देश के इतिहास और उसके शहीदों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है।

भिवानी। विश्राम गृह में आयोजित बैठक को संबोधित करते भाजपा के चुनाव प्रबंधक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विशाल सेठ। *फोटो: हरिभूमि*

7 अगस्त को कार्यक्रम

इसके उपरांत पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा के चुनाव प्रबंधक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विशाल सेठ ने कहा कि 7 अगस्त को पंचायत भवन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में जिले के गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनिधि, और पार्टी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से युवा पीढ़ी को देश के इतिहास के एक दुखद अध्याय से अवगत कराया जाएगा, ताकि वे भविष्य में एकता और सद्भाव बनाए रखने के महत्व को समझ सकें। उन्होंने कहा कि इस दिन प्रदर्शनी, सेमिनार और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें विभाजन से संबंधित दुर्लभ तस्वीरें और दस्तावेज दिखाए जाएंगे। इसके अलावा, उन लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा जिन्होंने विभाजन का दर्द झेला है।

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक सोहनलाल मक्कड़, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संदीप श्योराण, मीना परमार, ठाकुर विक्रम सिंह, जिला महामंत्री रमेश पचेरवाल व रेखा राघव, जिला उपाध्यक्ष राजेश जांगड़ा, प्रदीप प्रजापत, विशाल जीत, अमित मेहता, सोनिया अत्री, विनोद चावला, जिला मीडिया प्रभारी राकेश मिश्रा सहित मंडल अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अंडर 11 व 14 आयु वर्ग की खंड स्तरीय बालकों की दो दिवसीय स्कूली खेल प्रतियोगिता शुरू

अंडर-14 आयु वर्ग की बैडमिंटन में देवांशु प्रथम देवान संधु द्वितीय, खुशहाल तृतीय स्थान पर रहा

बीईओ ने कहा- अनुशासन व खेल भावना के साथ प्रतियोगिता का हिस्सा बने प्रतिभागी।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भीम स्टेडियम में आयोजित बालकों की दो दिवसीय खंड स्तरीय अंडर-11 व 14 आयु वर्ग की स्कूली खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार को हर्षोल्लास के साथ हुआ। यह जानकारी पीटीआई विनोद पिंकू ने देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के पहले दिन का उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी अनिल गौड़ द्वारा किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को अनुशासन व खेल भावना के साथ प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए मदन गोपाल प्रवक्ता नोडल अधिकारी की देखरेख में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के लिए खेल ओलंपिक और नोन ओलंपिक खेलों को शामिल किया गया। हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, आर्चरी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, जूडो, तैराकी, शूटिंग, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, टेनिस, वॉलीबॉल, कुश्ती, बेसबॉल, कबड्डी, बेसबॉल, चैस, नेटबॉल, स्केटिंग योग, कैरम, रस्सा कसी आदि इवेंटस का आयोजन करवाया गया। खंड स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में आयोजन समिति में रीमा परमार प्राचार्य राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरक कला, सीमा सरदाना, पवन शास्त्री स्टेट अवॉर्डी, रविंदर वैद प्राचार्य, अनिल अलवासिया, सत्यवान कोच, सह प्रभारी विनोद पिंकू रहे। वही निर्णायम मंडल की भूमिका सुखदेव डीपीई, राजेश्वर डीपीई, राजेश सिवाच, राजवंती प्रवक्ता, सुनील कोहड़, सुशील दहिया, श्रीपाल डीपीई, रामचंद्र पुनिया, प्रवीण भारद्वाज, मोतीलाल जांगड़ा, संजय सैनी, सरिता डीपीई, सुधीर मलिक, प्रदीप बॉक्सिंग, ललित चौहान टीआईटी, अनीता खेड़ा, लक्ष्मण गौड ने निभाई।

भिवानी। कबड्डी मैच में रेडर को पकड़ने का प्रयास करता एक खिलाड़ी व प्रतियोगिता में योगा करते प्रतिभागी। *फोटो: हरिभूमि*

भिवानी। रिंग में बॉक्सिंग स्पर्धा में दमखम दिखाते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

भिवानी। भीम स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में बाल खिलाड़ियों को पानी पिलाते चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप कोर्डिनेटर लक्ष्मण गौड़ व स्काउट टीम।

ये रहे परिणाम

प्रतियोगिता में अंडर-11 आयु वर्ग की खंड स्तरीय स्कूली कुश्ती प्रतियोगिता में 20 किलोग्राम भार वर्ग में शौर्या भिवानी प्रथम, 22 किलोग्राम भार वर्ग में अविश भिवानी, अरविंद खरक क्रमशः प्रथम व द्वितीय रहे। 24 किलोग्राम में मयंक सांगा प्रथम, पीयूष भिवानी द्वितीय रहे। 26 किलोग्राम में पूर्व बीएसआई सांगा प्रथम, दियान भिवानी द्वितीय, 28 किलोग्राम में अखिल भिवानी प्रथम रहे। 30 किलोग्राम भार वर्ग में लविश भिवानी प्रथम रहे। 32 किलोग्राम भार वर्ग में विरासट कलिंगा प्रथम रहे। 34 किलोग्राम भार वर्ग में जसबीर भिवानी प्रथम रहे। 34 से अधिक किलोग्राम भार वर्ग में चिराग भिवानी प्रथम व नक्षराज खरक द्वितीय रहे। वही अडर-14 आयु वर्ग की बैडमिंटन प्रतियोगिता में देवांशु प्रथम, देवान संधु द्वितीय, खुशहाल तृतीय, साकेत भारद्वाज चतुर्थ एवं अरिहान शर्मा पांचवे स्थान पर रहे। अंडर-14 आयु वर्ग की खो-खो इवेंट में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढ़ाण लाडनपुर प्रथम, राजकीय उच्च विद्यालय अजीतपुर की टीम द्वितीय स्थान पर रही। इसी तरह जिमनास्टिक स्पर्धा के 11 आयुवर्ग में रियाश प्रथम, मृत्युजंय द्वितीय, अंडर 14 में विनीत पहले, मृत्युजंय दूसरे स्थान पर रहे ।

अंडर 11 योग में रिहान व अंडर 14 में हिमांशु विजेता

पीटीआई मोतीलाल जांगड़ा ने बताया कि ब्लॉक स्तरीय योगा प्रतियोगिता की अंडर 11 लड़कों में डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के रिहान ने प्रथम, हलवासिया विद्या विहार के खेरान महता ने द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं अंडर 14 लड़कों के ग्रुप में मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल के हिमांशु ने प्रथम, दीशा पब्लिक स्कूल कलिंगा के शंकर ने द्वितीय व द आर्यन स्कूल के पार्थ ने तृतीय स्थान हासिल किया। कबड्डी प्रतियोगिता के अंडर 14 आयु वर्ग में बालाजी जीएसएस कलिंगा व राजकीय सीनियर सेकेंडरी सैय की टीम के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें कलिंगा स्कूल की टीम ने 20-8 से सैय स्कूल की टीम को हराया। वहीं जीएसएस कलिंगा ने जीएसएस केशोपुर को 19-1 से, जेएसवीवीएचएस भिवानी ने जीएमएस मधमाधवी को 19-2 से, जीएसएसएस मिताथल ने ढाणा नरसान को 25-7 से, बीकेएनवीएसएसएस मिताथल ने जीएमएसएसएसएस को 24-22 से, डीपीएस कलिंगा ने खरककला को 18-6 से हराया।

चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के स्काउट्स ने खिलाड़ियों को पिलाया पानी

भीम स्टेडियम में चल रही ब्लॉक स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप की स्काऊट्स टीम ने खिलाड़ियों के लिए जलसेवा की। राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री अवार्डी एवं चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के ग्रुप कोर्डिनेटर लक्ष्मण गौड़ ने ग्रुप के 32 स्काऊट्स की टीम के साथ खेलकूद प्रतियोगिता के सभी खेल मैदानों में टैंकर व बोतले लेकर घूम-घूमकर खिलाड़ियों को पानी पिलाया। लक्ष्मण गौड़ ने बताया कि खिलाड़ियों को पीने के पानी की समस्या से जूझना न पड़े, इसलिए उन्होंने ग्रुप के 32 स्काउट्स के साथ स्टेडियम में जलसेवा का मोर्चा संभाला हैं। स्काऊट्स टीम खेल मैदानों में कैंपर व बोतले लेकर खिलाड़ियों को पानी पिलाती रही।

इनसो कार्यक्रम कल, तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता

बाढड़ा। इनसो का स्थापना दिवस हर बर्ष की भांति इस वर्ष भी सामाजिक सरोकार दिवस के रुप में मनाया जाएगा जिसमें बलिदानियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया जाएगा। इनसो का 25वां स्थापना दिवस 5 अगस्त को बेरला में मनाया जाएगा। इनसो स्थापना दिवस के जिला दादरी के प्रभारी अमरजीत ढांडा व राकेश जाखड उपस्थित रहेगें। यह जानकारी हल्का अध्यक्ष विजय श्योराण काकडोली ने दी। उन्होंने बताया कि बेरला गांव में सांय चार बजे पौधारोपण किया जाएगा व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाऐगा। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष रविंद्र सांगवान, जिला प्रभारी ऋषिपाल उमरवास, किसान प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष नरेश द्वारका, पुर्व जिलाध्यक्ष सज्जन बलाली,हल्का अध्यक्ष विजय श्योराण काकडोली व दादरी हल्का अध्यक्ष राकेश कलकल विशेष रूप से उपस्थित रहेगें। उन्होंने बताया कि पांच अगस्त को सांय चार बजे पौधरोपण के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

महाराज अजमीढ़ जयंती मनाने का फैसला

- युवा सुनार जनसेवा समिति की बैठक संपन्न, सात अक्टूबर को मनाई जाएगी जयंती: सोनी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

युवा सुनार जनसेवा समिति की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को हनुमान ढाणी चौक स्थित बैंक्वेट हॉल में हुई। बैठक की अध्यक्षता हेमंत वर्मा ने की। इस दौरान समाज की कार्यनीति, सदस्यता, अभियान तथा युवाओं की जिम्मेदारी को लेकर सकारात्मक सुझाव सांझा किए। सभी ने मिलकर समाज के विकास के लिए सकारात्मक सुझाव दिए। बैठक को संबोधित करते हुए मनोज सोनी ने कहा कि किसी भी संगठन की असल ताकत युवा होते हैं, ऐसे में युवाओं को संगठित करना बेहद जरूरी है, क्योंकि वे ही समाज का भविष्य हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में सात अक्टूबर को ढाणा रोड स्थित अजमीढ़ धर्मशाला में महाराज अजमीढ़ की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। रामकुमार भट्ट, वरुण सोनी, संजय सोनी, सूरज महीपाल, अजय सोनी, समीर, पंकज, विकास छपारिया, मनोज सोनी, अधिवक्ता कुलदीप सोनी, अधिवक्ता योगेंद्र आदि मौजूद रहे।

भिवानी। युवा सुनार जनसेवा समिति की बैठक में उपस्थित सदस्य।

बरसात के कारण खड़ी फसल बर्बाद हुई है तो उन किसानों को डबल मुआवजा दिया जाए: दीपेन्द्र

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने आज बवानी खेड़ा हलके के गांव धनाना, तालु, पुर आदि गांवों में पहुँचकर खेतों में जलभराव से बर्बाद हुई फसलों का मुआयना किया। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के कारण प्रेमनगर, जताई, घुसकानी, चांग, तिगड़ाना, बडेसरा, मिथाथल, कूँगड़, भैणी, प्रेम नगर आदि इलाकों में भी खेतों में 3-4 फुट पानी जमा होने के कारण कपास, नरमा, ज्वार, बाजरा की सारी फसल नष्ट हो चुकी है। दीपेन्द्र हुड्डा ने सरकार से मांग करी कि तत्काल क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलकर स्पेशल गिरदावरी कराई जाए और किसानों को 50,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए। बरसात के कारण जिनकी खड़ी फसल बर्बाद हुई है उनको डबल मुआवजा दिया जाए साथ ही जो किसान फसल की बिजाई नहीं कर पाए उनको भी पूरा मुआवजा दिया जाए। उन्होंने इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की भी मांग की ताकि अलग से फंड मिल सके। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने जलभराव के स्थाई समाधान की पुख्ता योजना बनाने पर भी जोर दिया है।

बवानीखेड़ा। जलभराव वाले इलाके का दौरा करने के बाद एकत्रित समर्थकों को संबोधित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

माकपा प्रतिनिधि मंडल ने धनाना व घुसकानी गांव के क्षेत्रों का किया दौरा

ड्रेन ओवर फ्लो रोकने व जलभराव निकासी की उठाई मांग

- ड्रेनों की क्षमता नहीं बढ़ाई, उनके किनारे मजबूत नहीं किए
- थोड़ी ज्यादा बारिश होते ही दो दर्जन से ज्यादा गांव में भारी जल भराव हो जाता है

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की जिला कमेटी भिवानी के प्रतिनिधि मंडल ने धनाना, घुसकानी मिताथल व गुजरानी गांव का दौरा करके ओवर फ्लो ड्रेनों व खेतों में जलभराव के हालात का जायजा लिया तथा जिला प्रशासन व राज्य सरकार से ड्रेन व नहरों में हो रहे ओवरफ्लो पानी को रोका जाए तथा जलभराव का समाधान किया जाए। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए पार्टी जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश व सचिव मंडल सदस्य करतार ग्रेवाल ने कहा कि समय रहते जिला प्रशासन व सरकार ने ड्रेनों की क्षमता नहीं बढ़ाई, उनके किनारे मजबूत नहीं किए। जिसके कारण थोड़ी ज्यादा बारिश होते ही दो दर्जन से ज्यादा गांव में भारी जल भराव हो गया।

भिवानी। जलभराव इलाके का दौरा करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

खेतों से पानी नहीं निकाला तो रबी फसल भी नहीं होगी

उन्होंने कहा कि खरीफ फसल बर्बादी के साथ यदि खेतों का पानी नहीं निकाला तो रबि फसल भी नहीं होगी। इसलिए किसानों को दोनों फसलों का कम से कम एक लाख रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिलवाया जाए, खेतों व ड्रेन का पानी निगाणा नहर में डाला जाए, वाटर वक्रसो की मोरियां बंद हो, ताकि गंदा पानी ना जा सके। इन नहरों का पानी लोहारू, बाढड़ा, तोशाम के सूखा ग्रस्त क्षेत्र में भेजा जाए। पार्टी नेताओं ने इस क्षेत्र में दौरे पर आए दोनों सासदों दीपेंद्र हुडडा व जयप्रकाश के सामने मांगे उठाई और मांग की कि इस क्षेत्र को आपदा ग्रस्त घोषित करवाया जाए, ताकि इस आपदा में केंद्र सरकार भी मदद करे। मजदूरों के घर बर्बाद हो गए, उनका रोजगार भी मारा गया, उन्हें भी न्यायोचित मुआवजा दिलवाया जाए। इस अवसर पर कांग्रेस नेता कमल प्रधान, देवराज महता, अमन राघव व कामरेड रवि खन्ना उपस्थित रहे।